सत्यमेव जयते

निदेशालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर

बिडिंग डॉक्यूमेंट
फॉर
फोटो कॉपी वर्क

(प्रपत्र शुल्क 500 रूपये)

बोली आमंत्रण पत्र

Ambedkar bhawan, Near Civil line Phatak, Jaipur

फोन–0141–2220194	ई–मेल– raj.sje@rajasthan.gov.in	**website: www.sje.rajasthan.gov.in**

निदेशालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर
www.sje.rajasthan.gov.in

बिडिंग डॉक्यूमेंट
फॉर
फोटो कॉपी

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	बिड् सूचना	
2	निविदा प्रपत्र एवं तकनीकी प्रस्ताव प्रपत्र	
3	निविदा की सामान्य नियम एवं शर्ते	
4	निविदा की विशेष शर्ते	
5	वित्तीय प्रस्ताव प्रपत्र	
6	प्रपत्र A-E	

निदेशालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर
www.sje.rajasthan.gov.in

क्रमांक:एफ8()स्टोर / सान्याअवि / 2023 / 79465 दिनांक 10/03/2023

बिड् सूचना–

निदेशालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर द्वारा कार्यालय उपयोग हेतु फोटो कॉपी कार्य के लिए मूल सेवाप्रदाता / निर्माता / सोल डिस्ट्रीब्यूटर्स / अधिकृत डीलर्स एव प्रतिष्ठित पजीकृत फर्मों से दर सविदा हेतु बोलियाँ आमंत्रित की जाती हैं।

खुली बोली का विवरण निम्न प्रकार है :–

1.	कार्यालय का नाम	निदेशालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर
2.	कार्य	फोटो कॉपी कार्य
3	अनुमानित राशि	8 लाख रूपये
4	प्रपत्र शुल्क	500 रू. का डी0डी0 / बैंकर्स चैक अतिरिक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर के पक्ष में देय
5	बिड् के साथ संलग्न अमानत / धरोहर राशि (2%)	रू 16000 / – डी0डी0 / बैंकर्स चैक अतिरिक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर के पक्ष में देय
6	बिड् आवेदन प्राप्त करने / डाउनलोड की अंतिम तिथि, समय व स्थान	इच्छुक बोलीदाता निर्धारित बोली प्रपत्र sppp.rajasthan.gov.in अथवा raj.sje@rajasthan.gov.in से डाउनलोड अथवा भण्डारपाल क.न. 02, निदेशालय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता विभाग, जयपुर से (कार्यालय समय में) दिनांक 21.03.2023 दोपहर 2.00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं।
8	बिड् आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि समय व स्थान	इच्छुक बोलीदाता निर्धारित बोली प्रपत्र भण्डारपाल क.न. 02, निदेशालय सामाजिक न्याय एव अधिकारिता विभाग, जयपुर में (कार्यालय समय में) दिनाक 21.03.2023 दोपहर 3.00 बजे तक जमा करा सकते हैं।
9	तकनीकी बोली खोलने की तिथि व समय	21.03.2023 दोपहर 4.00 बजे तक।
10	तकनीकी बोली खोलने का स्थान	कमरा नम्बर 210 निदेशालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर

1. बोलीदाताओं को अपना प्रस्ताव नियत अंतिम तिथि / समय तक निर्धारित प्रपत्र, प्रपत्र का शुल्क व बिड् प्रतिभूति शुल्क कार्यालय के कमरा नं0 02 में पृथक-पृथक लिफाफों मे तकनीकी बिड् एवं वित्तीय बिड् पृथक–पृथक लिफाफो में रखकर सील बन्द कर एक साथ जमा कराने होंगे। बिड् के साथ निर्धारित शुल्को से सम्बन्धित रसीद / बैंकर्स चैक / डी0डी0 प्रस्तुत नही किए जाने पर प्रस्ताव पर विचार नही किया जायेगा।
2. निर्धारित समय तक प्राप्त बोलियों को दिनाक 21-03-2023 को सायं 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियो के समक्ष खोली जावेगी। **वित्तीय बिड् निर्धारित BOQ में भरी जानी है।**
3. आर.टी.पी.पी. अधिनियम 2012 व आर.टी.पी.पी. नियम 2013 के समस्त प्रावधान इस बोली आमंत्रण पर लागू होंगे। इस डॉक्यूमेंट व उक्त अधिनियम / नियम के प्रावधानों मे विरोधाभास होने पर अधिनियम / नियम के प्रावधान प्रभावी माने जायेंगे।
4. उक्त बोली आमन्त्रणसूचना व बोली प्रपत्र का पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व raj.sje@rajasthan.gov.in पर भी अवलोकन किया जा सकता है।

अतिरिक्त निदेशक,
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग,

BID FOR PURCHASE OF PHOTO COPY FOR OFFICE PURPOSE

Part-A

This bid is being invited under single stage two cover bid system.Technical & financial bids should be filled and submitted offline as per the schedule given below:

1	Bidding Authority & Address	The Addl. Director, Social Justic & Empowerment Department , Ambedkar bhawan, Near Civilline fatak, Jaipur (Raj.)		
2	Telephone No.	0141-2220914		
	Website	www.sje.rajasthan.gov.in		
		Date	Time	Place
3	A. Bid form obtained upto	21.03.2023	02:00 PM	Room no 02 Ambedkar bhawan, Near Civilline fatak, Jaipur (Raj.)
	B. Bid form submitted upto	21.03.2023	03:00 PM	
4	Opening of bid :-			
	A. Technical Bids	21.03.2023	04:00 PM	Ambedkar bhawan, Near Civilline fatak, Jaipur (Raj.)
	B. Financial Bid	Financial bids of only those bidders shall be opened who are declared technically qualified. The date and time of opening of financial bids shall be intimated to such bidders.		

The bid (technical & financial) should be uploaded according to the schedule given above. Bids will be short listed on the basis of technical bids.

(4)

Technical Bid Form

Bidder information

S.N.	Particulars	Information to be filled by the bidder	Page No.
1.	Name & Postal address of the firm submitting the bid		
2.	Nature of Firm (Proprietor/Partnership/Company)		
3.	Name of the authorized person		
4.	Telephone Numbers (Office/Mobile/Fax)		
5.	Email Id		
6.	Firm Registration No.		
7.	Annual Turn Over (Amount in lacs)	**2019-20:** **2020-21:** **2021-22:**	
	Annual Average Turn Over (Last three financial year)		
8.	PAN		
9.	GST Registration No.		
10.	Work Experience in years.		
11.	Work order of state govt/Central govt/Autonomous body/PSU in any of the last three years (one work order one lac or more should be must) (Mention Order No. , Date and amount)		
12.	Bid document fee Rs. 500/- in form of receipt/bankers cheque/DD payable to Addl. Director S.J.E.D. Jaipur (Mention NO., Date and Amount)		
13.	Bid Security @ 2% (16000/-) in form of receipt/bankers cheque/DD payable to Addl. Director S.J.E.D. Jaipur (Mention NO., Date and Amount)		

1. Relevant documents in support of the above information have been submitte under Signature and seal of the firm.
2. We agree to abide by all the conditions mentioned in NIB Number .... issued by Addl. Director S.J.E.D. Jaipur and also the further condition of the said bid Notice given in the attached sheets (all the pages of which have been signed with seal by us in token of our acceptance of the terms mentioned there in).
3. **The bid shall remain valid for 90 days from the date of opening of technical bid.**
4. **The rates quoted are valid for one year from the date of issuing of the rate contract. The period of contract can be extended with mutual agreement as per the provisions of RTPP rules.**
5. Authorization of Service provider/manufacturer/Distributor/Dealer etc. is also enclosed.
6. All conditions mentioned on Price schedule are accepted.
7. One set of samples shall be provided of the articles desired.

Signature of bidder with seal

निदेशालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर

www.sjc.rajasthan.gov.in

–: खुली बोली/दर संविदा की सामान्य शर्ते :–

(बोलीदाताओं को इन शर्तों को सावधानीपूर्वक पढना चाहिए तथा अपने प्रस्ताव भेजते समय इनका पूर्णरूपेण पालन करना होगा।)

1. बोली प्रपत्र के दो भाग है। प्रथम भाग तकनीकी बिड़ है तथा द्वितीय भाग वित्तीय बिड़ है। दोनो को पृथक–पृथक सीलबंद लिफाफे मे रख कर प्रस्तुत किया जाना है। बोली दाता द्वारा तकनीकी बिड़ हेतु यह प्रपत्र मय संलग्नक व वांछनीय दस्तावेज के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर करते हुए (मय सील) प्रस्तुत करनी है। वित्तीय बिड़ निर्धारित BOQ में ही प्रस्तुत की जानी है। इससे भिन्न रूप में प्रस्तुत प्रस्तावो पर विचार नही किया जाएगा।
2. निर्धारित तिथि एवं समय पर बोली को खोला जाकर निम्न मापदण्ड के आधार पर उसका परीक्षण किया जावेगा :–
   a. बोली प्रपत्र शुल्क, बोली प्रतिभूति राशि (Bid Security) की प्राप्ति ।
   b. हस्ताक्षरित बोली प्रपत्र, शर्ते मय आवश्यक दस्तावेज व संलग्नक मूल प्रस्तुत किया गया है। संलग्न प्रत्येक पृष्ठ पर मय सील हस्ताक्षर किया जाना आवश्यक है।
   c. लघु उद्योग के मामलों के उद्योग विभाग द्वारा जारी प्रमाण–पत्र। इस बोली आमंत्रण में राजस्थान राज्य के एम.एस.एम.ई. उपक्रम भाग ले सकते है यदि वे वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 19.11.2015 के प्रावधानानुसार इस बोली में भाग लेने हेतु योग्य है।
3. यह ध्यान रखा जावे कि तकनीकी बिड़ के साथ यदि वित्तीय दरें आदि किसी भी कारण दृष्टिगत होती है तो ऐसे प्रस्ताव को निरस्त कर दिया जावेगा।
4. बोली आमंत्रण प्रपत्र मे दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रस्ताव उचित रूप में प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने है।
5. "वास्तविक डीलरों द्वारा निविदाएँ– निविदाएँ सामग्री के वास्तविक डीलरों /सेवा प्रदाता द्वारा ही दी जायेगी।
6. फर्म के गठन आदि मे किसी भी परिवर्तन की सूचना क्रेता अधिकारी को लिखित में आपूर्तिकर्ता/सेवाप्रदाता ठेकेदार द्वारा दी जायेगी तथा इस परिवर्तन से संविदा के अधीन किसी भी दायित्व से, फर्म के पहले सदस्य को मुक्त नही किया जावेगा।
7. संविदा के संबंध में फर्म में किसी भी नए भागीदार/भागीदारों को ठेकेदार द्वारा फर्म में तब तक स्वीकार नहीं किया जायेगा जब तक कि वे इसकी समस्त शर्तों को मानने के लिये बाध्य नहीं हो जाते एवं क्रेता अधिकारी को इस संबध में लिखित नामा प्रस्तुत नही कर देते। प्राप्ति स्वीकृति के लिए ठेकेदार की रसीद या बाद में उपरोक्त रूप में स्वीकार की गयी किसी भागीदारी की रसीद उन सब को बाध्य करेगी तथा वह संविदा के किसी प्रयोजन के लिए पर्याप्त रूप से उन्मुक्ति (डिस्चार्ज) होगी।
8. **GST पंजीयन** :– कोई भी बोलीदाता यदि उस राज्य में प्रचलित, जहाँ उसका व्यवसाय स्थित है, **GST** अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत नही है तो वह प्रस्ताव नहीं देगा। **GST** पंजीयन संख्या का उल्लेख किया जाना आवश्यक है।
9. बोली दाता फर्म अथवा मालिक के **PAN** कार्ड की फोटो प्रति संलग्न की जानी है।
10. बोली दाता फर्म को सम्बन्धित कार्य का न्यूनतम तीन वर्षो का अनुभव होना चाहिए। इस हेतु फर्म राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अर्द्धसरकारी/निजि उपक्रम मे ऐसे कार्य का न्यूनतम राशि 1 लाख का एक क्रयादेश/भुगतान संबधी प्रमाण की प्रति संलग्न करें।

11. आवेदक बोली प्रपत्र व संलग्न दस्तावेजों के प्रत्येक पृष्ठ पर समस्त निबंधनों एवं शर्तों को स्वीकार करने के प्रमाण मे हस्ताक्षर कर मय मोहर प्रस्तुत करेगा।
12. आईटमवार BOQ में दिए गए फॉर्मेट में ही प्रस्तुत की जानी है। इससे भिन्न रूप में वित्तीय बिड् प्रस्तुत किए जाने पर प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया जाएगा।
13. क्रयादेशानुसार/कार्यादेशानुसार दरें गंतव्य स्थान तक एफ.ओ.आर उद्धत की जानी चाहिए तथा उनमें सभी आनुषंगिक प्रभारो को शामिल करना चाहिए किन्तु केन्द्रीय/राजस्थान GST को शामिल न करके इन्हें अलग से दिखाया जाना चाहिए। स्थानीय प्रदायों के मामलों में दरों में समस्त करों आदि को शामिल करना चाहिए तथा किसी गाडी भाडे (कॉर्टेज) या परिवहन प्रभारों का सरकार द्वारा भुगतान नहीं किया जाएगा तथा माल की सुपुर्दगी क्रेता अधिकारी के आदेशानुसार परिसरो पर दी जायेगी।
14. आवेदनकर्ता फर्म का कार्यालय जयपुर में होना आवश्यक है। (शपथ पत्र संलग्न करें ।)
15. **विधिमान्यता** :– प्रस्तुत दरें तकनिकी बोली खोले जाने की तारीख से तीन माह की अवधि के लिए विधिमान्य होगी।
16. सफल आवेदक अपनी संविदा को या उसके किसी सारवान भाग को किसी अन्य एजेन्सी को नहीं सौपेगा या उप–भाडे (सब लैट) पर नही देगा।
17. सशर्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएगें।
18. उपापन अधिकारी को बिना किसी कारण बताए किसी भी प्रस्ताव को आशिक अथवा पूर्ण रूप से अस्वीकार करने का अधिकारी रहेगा।
19. **विनिर्देश** :–प्रदाय की गयी सभी वस्तुए निविदा में निर्धारित विनिर्देश, ट्रेडमार्क के पूर्णतया अनुरूप होगी तथा जहॉ पर वस्तुओ की आई.एस.आई. विनिर्देश के अनुरूप अपेक्षा की गयी हो, वहॉ उपमदों को पूर्णरूप से उप विनिर्देशों के अनुरूप होना चाहिए तथा उन पर वह मार्क होना चाहिए।
20. प्रदाय हेतु संविदा को यदि माल/सेवा का प्रदाय क्रेता अधिकारी की संतुष्टि के अनुसार नही किया जाता है, तो संवेदक को सुनवाई का एक युक्तियुक्त अवसर देने के बाद क्रेता अधिकारी किसी भी समय निरस्त कर सकता है। वह इस प्रकार निरस्त करने के कारणो को अभिलिखित करेगा।
21. आवेदक/संवेदक या उसके प्रतिनिधि की ओर से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना पक्ष समर्थन कराना एक प्रकार की अनर्हता होगी।
22. (i) **सुपुर्दगी अवधि** :– बोली दाता, जिसकी दरे स्वीकार की जाएगी, उसे क्रेता अधिकारी द्वारा प्रदाय आदेश में वर्णित तिथि एवं समय पर सामग्री/सेवा प्रदाय करने की व्यवस्था करेगा। सामग्री/ सेवा विलम्ब से प्राप्त होने पर निविदा की शर्त संख्या 27 के अनुसार कटौती की जावेगी।

    (ii) **मात्रा की सीमा – आदेश को फिर से देना** :– यदि ई–बिड् में दर्शित मात्रा से अधिक के लिये आदेश दिया जाता है तो संवेदक अपेक्षित मात्रा प्रदाय करने के लिये बाध्य होगा। पुनः आदेश भी दी गयी शर्तों एव दरो पर दिए जा सकेगें। यदि संवेदक, ऐसा प्रदाय करने में असमर्थ रहता है तो क्रेता अधिकारी शेष सामान के प्रदाय की व्यवस्था सीमित निविदा द्वारा या अन्यथा प्रकार से करने के लिए स्वतंत्र होगा तथा जो भी अतिरिक्त लागत व्यय की जाएगी निविदादाता से वसूली की जाएगी।

    (iii) यदि क्रेता अधिकारी किन्ही निविदत्त वस्तुओं/सेवाओं की खरीद नहीं करता है या निर्दिष्ट मात्रा से कम मात्रा में सेवा/माल खरीदता है, तो संवेदक किसी क्षतिपूर्ति या क्लेम करने का हकदार नहीं होगा।

23 (क) बोली प्रतिभूति (Bid Security) के बिना निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा। यह राशि अतिरिक्त निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर के पक्ष में ड्राफ्ट / बैंकर चैक के रूप में जमा कराई जाकर ड्राफ्ट / बैंकर चैक मूल कॉपी निर्धारित समय एवं तिथि से पहले कार्यालय मे जमा कराई जानी आवश्यक है।

(ख) बोली प्रतिभूति (Bid Security) **राशि का प्रतिदाय** :– असफल दरदाताओ की बोली प्रतिभूति (Bid Security) बोली को अन्तिम रूप से स्वीकार करने के बाद यथासम्भव शीघ्र लौटायी जायेगी।

(ग) **बिड् सिक्युरिटी राशि से आंशिक छूट** :– उन फर्मों को जो निदेशक, उद्योग विभाग, राजस्थान के पास पंजीकृत हैं, उन मदों के सम्बन्ध में, जिनके लिए वे उक्त रूप में रजिस्टर्ड की गई हैं, उनके द्वारा मूल पंजीयन प्रमाण–पत्र या उसकी प्रमाणित फोटोस्टेट प्रति या किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा विधिवत अनुप्रमाणित प्रति प्रस्तुत करने पर उन्हें नियमानुसार वित्त विभाग के आदेश दिनांक 19.11.2015 के प्रावधानानुसार निविदा शुल्क व बोली प्रतिभूति में छूट दी जाएगी।

(घ) केन्द्र सरकार एवं राजस्थान सरकार के उपक्रमों को बिड् सिक्युरिटी प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

24 **बोली प्रतिभूति (Bid Security) का समपहरण**:– बयाना राशि को निम्नलिखित मामलों में समपहृत कर लिया जाएगा :–

(i) जब बोलीदाता बोली खोलने के बाद किन्तु बोली को स्वीकार करने के पूर्व प्रस्ताव को वापस लेता है या उसमे रूपान्तरण करता है।

(ii) जब बोलीदाता विनिर्दिष्ट समय के भीतर विहित किसी करार को, यदि कोई हो, निष्पादित नही करता है।

(iii) जब बोलीदाता प्रदायगी के लिए आदेश देने के बाद प्रतिभूति राशि जमा नही कराता है।

(iv) जब वह विहित समय के भीतर प्रदाय आदेश के अनुसार मदों का प्रदाय प्रारम्भ करने मे असफल रहता है।

25 (I) करार एव प्रतिभूति निक्षेप : (i) सफल निविदादाता को आदेश के प्राप्त होने से 7 दिन की अवधि के भीतर संलग्न प्ररूप में एक करार पत्र निष्पादित करना होगा तथा जिन सामानों (स्टोर्स) के लिए निविदाएँ स्वीकार की गयी हैं, उनके मूल्य के 5 प्रतिशत के बराबर परफोर्मेन्स प्रतिभूति जमा करानी होगी। यह प्रतिभूति प्रेषण के उस दिनांक से जिसको निविदा के स्वीकार किए जाने की सूचना उसे दी गयी है, 15 दिन के भीतर जमा करायी जाएगी।

(ii) निविदा के समय जमा करायी गयी बिड् सिक्युरिटी को परफोर्मेन्स सिक्युरिटी की राशि के लिए समायोजित किया जा सकेगा। परफोर्मेन्स सिक्युरिटी किसी भी दशा में बिड् सिक्युरिटी से कम की नहीं होगी।

(iii) परफोर्मेन्स सिक्युरिटी पर विभाग / कार्यालय द्वारा कोई ब्याज का भुगतान नही किया जावेगा।

(iv) प्रतिभूति राशि निम्न प्रकार देय होगी :

(क) बैंक ड्रॉफ्ट / बैंकर्स चैक / चालान की रसीदी प्रति।

(ख) बैंक गारंटी

(v) एक बार की खरीद / कार्य के मामले में क्रय आदेश / कार्यादेश के अनुसार मदो के अन्तिम प्रदाय से एक माह के भीतर तथा यदि सुपुर्दगी को सान्तर किया जाता है तो दो माह के भीतर उसकी संविदा के सन्तोषजनक रूप से पूर्ण कर दिए जाने के बाद या गारण्टी की अवधि, यदि

हो, के समाप्त होने के बाद, जो भी बाद में हो, तथा इससे सन्तुष्ट हो जाने पर कि संवेदक के विरूद्ध कोई देय बकाया नहीं है। प्रतिभूति राशि का प्रतिदाय किया जाएगा।

(2) **प्रतिभूति निक्षेप का समपहरण** :– प्रतिभूति की राशि को पूर्ण या आंशिक रूप से निम्नांकित मामलों में समपहृत किया जा सकेगा :–

(क) जब संविदा के किन्ही निबंधनों और शर्तों का उल्लंघन किया गया हो।

(ख) जब संवेदक सम्पूर्ण प्रदाय संतोषजनक ढंग से करने में असफल हो रहा हो।

(ग) प्रतिभूति निक्षेप को समपहृत करने के मामले में युक्तियुक्त समय पूर्व नोटिस दिया जाएगा। इस सम्बन्ध में केता अधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।

(3). करार पत्र को पूर्ण करने एवं उस पर स्टाम्प लगाने के व्यय का भुगतान संवेदक द्वारा किया जाएगा तथा विभाग/कार्यालय को उस करार की एक निष्पादित स्टाम्प शुदा प्रतिपडत निःशुल्क दी जाएगी।

26. भुगतान करने पर किए गए प्रेषण प्रभार संवेदक द्वारा वहन किये जाएगें।

27. (i)क्रयादेश/आपूर्ति आदेश/कार्यादेश में सुपुर्दगी के लिए विनिर्दिष्ट समय को संविदा का सार रूप में समझा जाएगा तथा सफल निविदादाता केता अधिकारी से स्पष्ट आदेश के प्राप्त होने पर निर्धारित अवधि के भीतर कार्य/प्रदाय करेगा।

(ii)परिनिर्धारित नुकसानी – परिनिर्धारित नुकसानी के साथ सुपुर्दगी अवधि में वृद्धि करने के मामलों में वसूली निम्नलिखित प्रतिशत के आधार पर उन सामानों के मूल्यों के लिए की जाएगी जिनका निविदादाता प्रदाय करने में असफल रहा है :–

(क) विहित सुपुर्दगी अवधि की एक चौथाई अवधि तक के विलम्ब के लिए 2.5 प्रतिशत

(ख) एक चौथाई अवधि से अधिक किन्तु विहित अवधि की आधी अवधि से अनाधिक के लिए 5 प्रतिशत

(ग) आधी अवधि से अधिक किन्तु विहित अवधि के तीन चौथाई से अनाधिक अवधि के लिए 7.5 प्रतिशत

(घ) विहित अवधि की तीन चौथाई से अधिक के विलम्ब के लिए 10 प्रतिशत।

28. **वसूलियाँ** :– परिसमापित नुकसानी, कम प्रदाय, टूट–फूट, रद्द की गयी वस्तुओं के लिए वसूली साधारण रूप से बिल में से की जाएगी। प्रदायकर्ता नुकसानी, कम प्रदाय, टूट–फूट, रद्द किए गए मालों की सीमा तक राशि को भी रोका जा सकेगा तथा यदि प्रदायकर्त्ता संतोषजनक ढंग से उनको नही बदलता है तो परिसमापित नुकसानी के साथ वसूली उसकी देय राशि एवं विभाग के पास उपलब्ध प्रतिभूति निक्षेप से की जाएगी। यदि वसूली करना संभव न हो तो राजस्थान पी.डी.आर. एक्ट या प्रवृत किसी अन्य कानून के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी।

29. केता अधिकारी किसी भी बोली प्रस्ताव को जो आवश्यक रूप से न्यूनतम दर की निविदा नही है, स्वीकार करने, बिना कोई कारण बतलाये किसी भी निविदा को रद्द करने या जिन वस्तुओं के लिए निविदादाता ने निविदा दी है, उन सब के लिए या किसी एक या अधिक के लिए निविदा को स्वीकार करने या एक फर्म/प्रदायकर्ता से अधिक को सामान की मदों को वितरित करने के अधिकार को अपने पास आरक्षित रखेगा। किसी भी निविदा को बिना कोई कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राज. जयपुर के पास सुरक्षित रहेगा।

30. यदि संविदा के निर्वचन, आशय या संविदा की शर्तों के उल्लघन के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होता है तो पक्षकारो द्वारा मामले को निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राज. जयपुर को भेजा जाएगा जो उस विवाद के लिए एकमात्र मध्यस्थ (सोल आबिट्रेटर) के

रूप में अपने वरिष्ठतम उप– अधिकारी की नियुक्ति करेगा। यह उप–अधिकारी इस संविदा के संबध नहीं होगा तथा उसका निर्णय अन्तिम होगा।

31. समस्त विधिक कार्यवाहियां, यदि संस्थित किया जाना आवश्यक हो, किसी भी पक्षकार (सरकार या संवेदक) द्वारा जयपुर में स्थित न्यायालय में ही की जाएगी, अन्यत्र नहीं की जाएगी।

32. बोली के क्रम में प्रथम अपील अधिकारी निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राज. जयपुर जयपुर तथा द्वितीय अपील अधिकारी शासन सचिव, सामाजिक न्यायच एव अधिकारिता विभाग, जयपुर होगे।

33. **price fall clause:** दर अनुबन्ध में दरें कीमते गिरने के खण्ड के अध्यधीन होगी। यदि दर अनुबन्ध धारक दर अनुबन्ध चालू रहने के दौरान किसी भी समय राज्य में किसी को दर अनुबन्ध कीमत से कम कीमत पर समान माल, सकर्मो या सेवाये देने पर उसकी कीमत कोट/कम करता है तो उस दर अनुबन्ध के अधीन उपापन की विषय वस्तु के समस्त परिदान के लिये दर अनुबन्ध कीमत, कीमत कम करने/कोट करने की दिनांक से स्वतः कम हो जावेगी और दरें अनुबन्ध तद्नुसार संशोधित की जावेगी। समानान्तर दर अनुबन्ध धारण करने वाली फर्मो को भी कम की हुई कीमत अधिसूचित करके अपनी कीमत कम करने का अवसर देते हुये पुनरीक्षित कीमत से उनकी स्वीकारोक्ति से सूचित करने के लिये 15 दिवस का समय दिया जावेगा। इसी प्रकार यदि कोई समानान्तर दर अनुबन्ध धारक फर्म दर अनुबन्ध के चालू रहने के दौरान अपनी कीमत कम करती है तो उसकी कम की हुई कीमत अन्य समानान्तर दर अनुबन्ध धारक फर्मो एव मूल अनुबन्ध धारक फर्म को अपनी कीमत तत्समान करने के लिये ससूचित की जावेगी। यदि कोई दर अनुबन्ध फर्म कीमत कम करने से सहमत नहीं होती है तो उसके साथ आगे कोई संव्यवहार नहीं किया जावेगा।

34 निविदादाता को अपनी वित्तीय क्षमता का प्रमाण लगाना होगा जिसमें उसका गत तीन वषां का न्यूनतम औसत टर्न ऑवर 5 लाख होना चाहिये तथा वर्ष 2019–20, 2020–21 तथा 2021–22 में से तीन वर्षो की सी.ए. प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति लगानी होगी।

35. भुगतान – भुगतान हेतु अनुमोदित फर्म द्वारा प्रतिमाह बिल तीन प्रतियो मे प्रस्तुत किया जायेगा।

36. आर.टी.पी.पी. अधिनियम 2012 व आर.टी.पी.पी. नियम 2013 के एवं इस निविदा प्रपत्र मे अकित अन्य समस्त प्रावधान इस निविदा पर लागू होगें।

अतिरिक्त निदेशक(सतर्कता एवं प्रशासन)
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग,
राज. जयपुर।

निदेशालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर

www.sje.rajasthan.gov.in

-: खुली बोली / दर संविदा की विशिष्ट शर्तें :-

(बोलीदाताओं को इन विशिष्ट शर्तों को सावधानीपूर्वक पढना चाहिए तथा अपने प्रस्ताव भेजते समय इनका पूर्णरूपेण पालना करना चाहिए।)

1. बोली दाता फर्म को फोटो कॉपी सम्बधी किये गये कार्य का न्यूनतम तीन वर्षो का अनुभव होना चाहिए। इस हेतु फर्म द्वारा राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अर्द्धसरकारी / निजि उपक्रम मे फोटो कॉपी करने संबधी किये न्यनूतम 1 लाख रूपये के एक क्रयादेश की प्रति सलग्न करें।
2. बोली दाता फर्म के पास फोटो कॉपी की नई अत्याधुनिक मशीने होनी चाहिए। इस हेतु बोली दाता फर्म फोटो कॉपी मशीन के बिल की फोटो प्रति सलग्न की जानी है।
3. फोटो कॉपी का कार्य क्रेता अधिकारी द्वारा निर्धारित परिसरो / स्थलो पर मशीन रख कर किया जावेगा, इस हेतु क्रेता अधिकारी द्वारा स्थान एव विधुत की सुविधा उपलब्ध करवादी जायेगी।
4. सफल बोली दाता फर्म द्वारा फोटो कॉपी मशीने कार्यादेश प्राप्ति के पश्चात अतिशिघ्र स्थापित कि जायेगी।
5. दरे प्रति फोटोकापी के हिसाब से अलग-अलग साईज की प्रस्तुत करनी होगी।
6. प्रस्तुत दरों मे सभी प्रकार का व्यय (सामग्री तथा टोनर, कागज मजदूरी इत्यादि) सम्मिलित होगा। किसी अन्य प्रकार का व्यय देय नही होगा।
7. अधिकृत अधिकारी द्वारा इण्डेंट के अनुसार उसी, समय फोटोकॉपी कार्य कर उपलब्ध कराना होगा।।
8. महत्वपूर्ण एव गोपनीय दस्तावेजों की फोटोस्टेट सम्बन्धित कर्मचारी को साथ ही करके देनी होगी
9. फोटोस्टेट का कार्य सामन्यतया कार्यालय समय पर ही कराया जावेगा, किन्तु विशेष परिस्थितिया राजकीय कार्य की महत्ता को देखते हुए कार्यालय समय से पूर्व / बाद मे तथा राजकीय अवकाशों के दिवस में भी फोटोस्टेट कार्य कर उपलब्ध कराना होगा।
10. फोटोकापी / प्रिन्ट हेतु पेपर 75 जीएसएम अथवा इसके समकक्ष उत्कृष्ट कागज उपयोग मे लेना होगा।
11. फोटोस्टेट मशीन मे Enlargement/Reduction की सुविधा होना अनिवार्य है।
12. कार्यालय मे निजी फोटोकापी कार्य संधारित नही किया जावेगा।
13. छाया प्रतिलिपी / प्रिन्ट में दाग-धब्बे नहीं होने चाहिए अन्यथा खराब प्रति निकालने पर कोई राशि देय नही होगी।
14. मशीन के खराब होने की स्थिति मे बाजार से किये जाने वाले फोटो / प्रिन्ट कार्य पर होने वाले व्यय एव आने जाने के किराये का भुगतान फर्म द्वारा वहन करना होगा।
15. अधिकृत अधिकारी द्वारा जारी 100 या 100 से अधिक फोटोकॉपी / प्रिन्ट के इण्डेंट पर शाखा प्रभारी या इससे वरिष्ठ अधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षर होने पर ही जारी किया गया मांग पत्र स्वीकार किया जायेगा। इण्डेन्ट की फोटोकॉपी की कुल सख्या अंको एव शब्दों मे अंकित करनी होगी।
16. फोटोस्टेट कार्य बाबत सम्बन्धित शाखा से इण्डेंड लिया जायेगा जिसमें फोटोस्टेट करवाये गये कागजो की संख्या का स्पष्ट उल्लेख होना आवश्यक है। कागज के दोनो तरफ फोटोस्टेट कार्य बाबत इण्डेंड मे स्पष्ट उल्लेख होने पर ही भुगतान देय होगा अन्यथा एक तरफ की दर ही भुगतान हेतु मान्य होगी।
17. फर्म की फोटो स्टेट कार्य क्षमता प्रतिदिन कम से कम 10000 प्रतियों की होगी, जिसमें बढोत्तरी अथवा कमी हो सकती है।
18. फर्म को बिल भुगतान हेतु प्रतिमाह प्रस्तुत करना होगा।

अतिरिक्त निदेशक(सतर्कता एवं प्रशासन)
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग,
राज. जयपुर।

FINANCE BID (BOQ)

Photo Copy Work

Name of Firm :
Address :

Rates for Photo Copy Work (Inclusive off all taxes, Expenditure, duties etc.)

S.No.	Size of Photo copy Paper	Unit	Rate per unit
A.	**Photo Copy Black & Whaite Print**		
(1)	A-4 Single Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(2)	A-4 Both Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(3)	legal size Single Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(4)	legal size Both Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(5)	A-3 Single Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(6)	A-3 Both Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(7)	Legal Size single side (A3 reduced to legal size) (Paper 70 GSM)	Per page	
(8)	Legal Size Both side (A3 reduced to legal size) (Paper 70 GSM)	Per page	
B.	**Photo Copy Collor Print**		
(1)	A-4 Single Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(2)	A-4 Both Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(3)	legal size Single Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(4)	legal size Both Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(5)	A-3 Single Side (Paper 70 GSM)	Per page	
(6)	A-3 Both Side (Paper 70 GSM)	Per page	

C-Binding

(1)	A-4 Size Spiral binding with plastic cover	Per book / Set	
(2)	F-S Size Spiral binding with plastic cover	Per book / Set	
(3)	A-4 Size Tape binding with plastic cover	Per book / Set	
(4)	F-S Size Tape binding with plastic cover	Per book / Set	

2. **Photo Stat machines will be installed with immediate effect from the date of issue of order.**
4. The rates quoted above are valid for one year from the date of the given work order. The period can be extended with mutual agreement as per RTPP Act & Rules.
5. We agree to abide by all the conditions mentioned in Tender Notice Number ....dated............issued by the Addl. Director, Social Justic & Empowerment Department , Ambedkar bhawan, Near Civilline fatak, Jaipur (Raj.) and also the further condition of the said Tender Notice given in the attached sheets (all the pages of which have been signed by us in token of our acceptance of the terms mentioned there in).

हस्ताक्षर
फर्म प्रोपराईटर / पार्टनर मय सील
पताः—

Annexure A : Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall-

(a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process.

(b) Not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation

(c) Not indulge in any collusion, Bid rigging or anti- competitive behaviou to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;

(d) Not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;

(e) Not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;

(f) Not obstruct any investigation or audit of a procurement process;

(g) Disclose conflict of interest, if any; and

(h) Disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest -

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of interest. A conflict of interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligation, or compliance with applicable laws and regulations.

A Bidder may be considered to be in Conflict of interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limted to:

a. Have controlling partners/shareholders in common; or

b. Receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them ; or

c. Have the same legal representative for the purposes of the Bid; or

d. Have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or Influence the decisions of the procuring Entity regarding the bidding process; or

e. The Bidder participates in more than on Bid in a bidding process. Participation by a bidder in more than one bid in result in the disqualification of all bids in which the bidder is involved. However, this does not limits the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or

f. The Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, works or services that are the subject of the Bid; or

g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the procuring Entity as engineer-in-charge/consultant for the contract.

Signature of Bidder

Annexure B: Declaration by the Bidder regarding Qulifications
Declaration by the Bidder

In relation to our Bid submitted to Addl. Director. Social Justic & Empowerment Department , Jaipur (Raj.) for supplying Prepared material/work/service etc. in response to their Notice Inviting Bids No ....Dated........................ we hereby declare under Section 7 and 11 of the Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

1) I/We possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity.

2) I/We have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Central Government of the State Government or any authority, as specified in the Bidding Document.

3) I/We are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and are not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons.

4) I/We do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;

5) I/We do not have a confect of interest as specified in the Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, the Rajasthan Transparency in Public Procurement Rules and this Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date:	Signature of the bidder:
Place:	Name:
	Designation:
	Address:

Signature Of Bidder

Appendix C: Grievance Handling Procedure during Procurement Process (Appeals)

The designation and address of the first Appellate Authority is------------------
The designation and address of the Second Appellate Authority is -------------------------------

1- Filing an appeal

If any Bidder or prospective Bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued there under, he may file an appeal to the First Appellate Authority as specified in the bidding document, within a period of ten days from the date of such decision, action, or omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings: providing further that in case a procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Finacial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

1- The officer to whom an appeal is filed under para (a) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it of within a period of 30 days of the date filling of the appeal.

2- If the officer designated under para (a) fails to dispose of the appeal within the period specified in para (B) or if the bidder or prospective bidder or the procuring entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the procuring entity, as the case may be, may file a second appeal to the Second Appellate Authority specified in the bidding document in this behalf within fifteen days from the expiry of the specified in para (b) or date of receipt of the order passed by the first Appellate Authority, as the case may be.

3- Appeal not be lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

a) Determination of need of procurement,
b) Provision limiting participation of Bidders in the bidding process;
c) The decision of whether or not to enter into negotiations;
d) Cancellation of a procurement process;
e) Applicability of the provision of confidentiality.

4- From and procedure of filing an appeal

1- An appeal under para (1) or (3) shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents the appeal.

2- Every appeal shall be accompanied by and order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.

3- Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorized representative.

5- Fee for filing appeal

1- Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.

2- The fee shall be paid in the form of bank, demand draft or banker's Cheque of a scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

6- Procedure for disposal of appeals

1- The first Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.

2- On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-

(a) hear all the parties to appeal present before him; and

(b) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.

3- After hearing the parties, peruse or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.

4. The order passed under sub-clause (c) above shall be placed on the State Public Procurement Portal.

Signature of Bidder

S

FORM No. 1
[See rule 83]

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012

Appeal No..............of..........
Before the ....(First/Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant,
   (I) Name of the appellant:
   (ii) Official address, if any:
   (iii) Residential address:
2. Name and address of the respondent(s);
   (I)

   (ii)

   (iii)

3. Number and date of the order appealed against and name and designation of the officer/authority who passed the order(enclose copy), or a statement of a decision, action or omission of the procuring Entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved:
4. If the Appellant proposes to be represented by a representative, the name and postal address of the representative:
5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:
6. Grounds of appeal:
   (Supported by an affidavit)
7. Prayer..
   Place..
   Date..

Appellant's Signature

Annexure D : Additional Conditions of Contract

1.Correction of arithmetical errors

provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

1- if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obivious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected

2- If there an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and

3- If there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures, shall prevail subject to 1 and 2 above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid security shall be forfeited or its Bid securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

1- At the time of award of contract, the quantity of good, work or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit price or other terms and conditions of the Bid and the condition of contract.

2- If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than quantity specified int the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Condition of contract.

3- In case of procurement of good or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rate and condition of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 25% of the value of the goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fail to do so, the procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the suppler.

3.Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (in case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantities of the subject matter of procurement to be procured is vary large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such case, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rate of the Bidder, whose Bid is accepted.

Signature of Bidder